# KHAN GLOBAL STUDIES

**The Most Trusted Learning Platform**

## UPPSC – 2023

**LIVE CLASSES**

**BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR**

## बुद्ध के चार आर्य सत्य (Buddha's four noble truths)

बौद्ध धर्म → शेष भाग

(1) दुःख अर्थात् संसार दुःखमय है।

Sorrow means the world is sad.

(2) दुःख-समुदय अर्थात् दुःखों का कारण भी हैं।

Sorrow-community i.e. it is also the cause of sorrow.

(3) दुःख-निरोध अर्थात् दुःखों का अन्त सम्भव है।

Cessation of sorrow means the last possibility of sorrow.

(4) दुःख-निरोध-मार्ग अर्थात् दुःखों के अन्त का एक मार्ग है।

→ अष्टांगिक मार्ग

Way to stop suffering i.e. there is a way to end suffering.

# अष्टांगिक मार्ग या अष्टांग मार्ग (Eightfold Path)

- सम्यक दृष्टि : चार आर्य सत्य में विश्वास करना
- Right View: Believing in the Four Noble Truths
- सम्यक संकल्प : मानसिक और नैतिक विकास की प्रतिज्ञा करना
- Samyak Sankalpa: Making a pledge for mental and moral development.
- सम्यक वाक : हानिकारक बातें और झूठ न बोलना
- Right speech: not telling harmful things and lying
- सम्यक कर्म : हानिकारक कर्म न करना
- Samyak Karma: Not doing harmful deeds

- सम्यक जीविका : कोई भी स्पष्टतः या अस्पष्टतः हानिकारक व्यापार न करना
- **Right livelihood: Not doing any explicitly or implicitly harmful business.**
- सम्यक व्यायाम : अपने आप सुधरने की कोशिश करना
- **Right Exercise: Trying to Improve Yourself**
- सम्यक स्मृति : स्पष्ट ज्ञान से देखने की मानसिक योग्यता पाने की कोशिश करना
- **Samyak Smriti: Trying to gain the mental ability to see with clear knowledge**
- सम्यक समाधि : निर्वाण पा कर स्वयं की मुक्ती होना
- **Samyak Samadhi: Liberation of self by attaining nirvana**

# पहला उपदेश (First Sermon)

- सारनाथ (Sarnath)
- धर्म-चक्रपरिवर्तन (Dharma Chakra parivartana)
- प्रतीक (symbol) → wheel (चक्र)
- 5 ब्राह्मणों →
  - वपा (Vapa)
  - महानाम (Mahanama)
  - अस्सिज (Assij)
  - भद्दीय (Bhaddiya)
  - कोण्डना (Kondana)

→ * बुद्ध जी का सर्वाधिक उपदेश :-
↳ श्रावस्ती (Shravasti), U.P.

→ * बुद्ध जी का अंतिम उपदेश :- — Kushinagar, U.P.
(Last sermon of Gautam Buddha) | (कुशीनगर, उ०प्र०)
↳ Subhadra (सुभद्र)

→ * बुद्ध जी के प्रमुख शिष्य :- — आनंद (Anand)
↳ उपालि (Upali)
↳ सारिपुत्र (Sariputa)

* **अन्यशिष्य** :
  - तपस्सुक (Tapassuk) > शूद्र -
  - भल्लिक (Bhallik)
  - अहिंसक (Ahinshaka)
  - महामोगालियान (Mahamogaliyan)
  - etc.

# मृत्यु (Death)-

- 483 B.C.
- महापरिनिर्वाण (Mahaparinirvana)
- Kushinagar, U.P.
- कारण :- चुन्द नाम के लुहार द्वारा दिये गये सुअर का मांस या जहरीला मशरूम खाने से हुआ।

# बौद्ध धर्म के त्रिरत्न (The Three Jewels of Buddhism)

- बुद्ध (Buddha)
- धम्म (Dhamma)
- संघ (Sangha)

## बौद्ध परिषद (Buddhist council) / सम्मेलन

- Total - 4
- सारे परिषद बुद्ध जी मृत्यु के बाद हुए।

## 1st Buddhist council (प्रथम बौद्ध सम्मेलन)

→ 483 B.C.

* Venue :- (स्थान) Saptaparnicave, Rajgir, Bihar (सप्त पर्णी गुफा, राजगीर, बिहार)

* Chairman :- (अध्यक्ष) Mahakashyap (महाकश्यप)

* King(राजा) :- Ajatashatru(अजातशत्रु) → Haryanka Dynasty (हर्यक वंश)

* Imp. fact :- दो पिटक की रचना :-
  - Vinayapitaka (विनय पिटक) :- written by upali
  - Suttapitaka (सुत्त पिटक) :- " " Anand.

Note :- इस सम्मेलन का उद्देश्य बौद्ध को बिखरने से बचाना तथा बौद्ध धर्म में भिक्षुओं के नियम तय करना।

## 2nd Buddhist Council ( द्वितीय बौद्ध परीषद )

→ 383 B.C.

→ Chulluvag, Vaishali, Bihar
(चुल्लुवग, वैशाली, बिहार)

→ Chairman :- Sabbakami (सब्बाकामी) / Sabbamir
(अध्यक्ष)

→ King (राजा) → Kalashoka (कालाशोक) → Shishunaga Dynasty

→ Imp. fact :- बौद्ध धर्म स्थविर एवं महासांगीक में बटा।

# 3rd Buddhist council (तृतीय बौद्ध सम्मेलन)

→ 250/251/255 B.C.

→ Ashokaram Vihar, Patliputra
(अशोकाराम विहार, पाटलीपुत्र)

→ Chairman(अध्यक्ष):- Moggaliputra Tissa (मोग्गलीपुत्र तिस्स)

→ King (राजा):- Ashoka (अशोक) → Maurya Dynasty

→ Imp. fact:- Abhidhammapitaka (अभिधम्म पिटक)
↳ written by Moggaliputra Tissa.

# 4th Buddhist Council (चतुर्थ बौद्ध सम्मेलन) / संगीति

→ प्रथम शताब्दी → 98 A.D. → 102 A.D.

→ Kundalvan, Kashmir (कुण्डलवन, कश्मीर)

→ King (राजा) :- Kanishka (कनिष्क) → Kushan King.

→ Chairman (अध्यक्ष) :- Vasumitra (वसुमित्र)

→ Vice-chairman (उपाध्यक्ष) :- Ashvaghosha (अश्वघोष)

→ Imp. fact :- बौद्ध धर्म हीनयान और महायान में विभाजित हुआ।